

(ii) महत्त्व विनिर्देशन स्तरित प्रतिचयन (maximum allocation stratified sampling) — इस प्रकार के स्तरित प्रतिचयन में प्रतिदर्श (उदाहरण) के हर स्तर पर चुनी गई इकाइयों की संख्या, संपूर्ण जनसंख्या के उसी स्तर की इकाइयों की संख्या के महत्त्वानुसार प्रमाणांक विभाजन पर निर्धारित करता है।

(iii)

गुच्छ-प्रतिचयन (cluster sampling) किसी गुण या विशेषता के शोध के लिए उसकी जनसंख्या का एक अथवा अधिक बड़ा हिस्सा होना है, तो गुच्छ प्रतिचयन (cluster sampling) का प्रयोग किया जाता है। इसमें सर्व प्रथम पूरी जनसंख्या को उसके सामूहिक इकाइयों के विशेषताओं या गुणों के आधार पर बड़े-बड़े गुच्छों या समूहों में बांटा जा सकता है। प्रतिचयन (Random sampling) कर पति लिखा जाता है। पति इन नामित गुच्छों या समूहों से उसी विधि अर्थात् यादृच्छिक प्रतिचयन के ही प्रत्येक इकाई से छोटे-छोटे प्रतिदर्श का चयन का अध्ययन प्रारंभ किया जाता है। इस प्रक्रिया को गुच्छ प्रतिचयन (cluster sampling) और कभी-कभी अद्ययन मॉडल प्रत्येक छोटे-छोटे समूह का गुच्छ प्रतिदर्श

(clusters sample) कहा जाता है।

गुच्छ प्रतिचयन में जाति, पक्षि-  
निधिल का गुण भा विशेषता जाई जाती  
है। साधा-डी-साध इससे समग्र, प्रम एवं डान-  
की लक्षात होती है। अर्थात् यह प्रतिचयन-  
कार्य मितव्ययी होता है।

(IV)

बहु-पक्ष प्रतिचयन (Multi-stage sampling) में  
इस प्रविधि में प्रतिचयन  
के लिए सबसे पहले पूरी जनसंख्या  
की सभी इकाइयों से एक प्राथमिक प्रतिदर्श  
का निर्माण किया जाता है। फिर इस नमूने  
का द्वितीयक भा गौण इकाइयों (Secondary  
units) का निर्माण किया जाता है।  
इसी क्रम में, अन्त में जाकर अन्तिम इकाइयों  
वाला नया निश्चित गुण एवं विशेषताओं  
वाला एक प्रतिनिधि प्रतिदर्श का चुनाव  
किया जाता है।

(V)

क्रम बद्ध प्रतिचयन (Systematic sampling)

इस तकनीक द्वारा प्रतिदर्श निर्माण  
के लिए पहले पूरी जनसंख्या का किसी  
क्रम से भोजना बद्ध क्रम आवश्यक होता  
है। इसमें पहले प्रतिदर्श के आकार  
और जनसंख्या के आकार का एक  
अनुपात निश्चित किया जाता है। पुनः  
जनसंख्या में सांख्यिक समस्त  
इकाइयों की पहचान की जाती है।  
इस प्रकार प्रत्येक जनसंख्या अनुपात के  
क्रम बद्ध अनुपात की संख्या में से प्रतिदर्श

# K. Hand ~~Hand~~ Sample ③

1

(B)

असंगण्य प्रतिचयन या प्रतिदर्शन (Non-probability sampling) —

असंगण्य प्रतिचयन में शोधकर्ता को अपनी दृष्ट-दृष्ट तथा विवेक से जनसंख्या से एक प्रायोगिक प्रतिदर्श चुनना पड़ता है। इस प्रतिचयन में संभाव्य प्रतिचयन (probability sampling) के नियमों का पालन करने की आवश्यकता नहीं होती है। इसमें मात्र शोध-प्रयोजन को ध्यान में रखना आवश्यक होता है।

असंगण्य प्रतिचयन के प्रमुख प्रकार —  
मार्बिंग विधि के संग-*non-probability sampling*

असंगण्य प्रतिचयन के निम्नांकित प्रमुख प्रकारों को मनोसिद्धि-निर्णय द्वारा देखा कि या गया है।

सौक्ष्म्य प्रतिचयन (*purpose sampling*)

(1)

सौक्ष्म्य प्रतिचयन एक एक सरल एवं सुगम प्रतिदर्श-चयन प्रविधि है। इस प्रविधि में शोधकर्ता अपनी अध्ययन के अनुकूल पूरी जनसंख्या से किसी विशिष्ट वर्ग या स्तर की इकाइयों का चयन करता है। उदाहरणस्वरूप — माना कि किसी शोधार्थी या शोधकर्ता को ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के सामाजिक अध्ययन के लिए किसी एक विद्यालय के दसवें वर्ग में पढ़ने वाले दृष्ट-दृष्ट प्रामीण तथा शहरी परिस्थितियों से उभरे वाले कुल